



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (ii)
PART II—Section 3—Sub-section (ii)

प्रारंभिक रूप प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 731]

नई दिल्ली, मुधवार, दिसम्बर 8, 1993/अग्रहायण 17, 1915

No. 731] NEW DELHI, WEDNESDAY, DECEMBER 8, 1993/AGRAHAYANA 17, 1915

बिल मंत्रालय

(आधिक वार्य विभाग)

(बैंकिंग प्रभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, 8 दिसम्बर, 1993

का ग्रा. 936 (श्र.)—केन्द्रीय सरकार, भारत सरकार के विभिन्न मंत्रालय, आधिक कार्य विभाग, (बैंकिंग प्रभाग) की अधिसूचना म. 1/2/93-बी.ओ -I-(i), तारीख 4-9-93 के पैरा 5 के उप-पैरा (4) के साथ पठित बैंककारी कंपनी (उपक्रम का अर्जन और अतरण) अधिनियम, 1980 की धारा ५ द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करने हुए, भारतीय रिजर्व बैंक से परामर्श करने के पश्चात् निम्नलिखित रकीम बनानी है, अर्थात् —

प्रानाश्रय

1. मध्यात् नाम और प्रारम्भ.—(1) इस रकीम का मध्यात् नाम स्ट्रू. बैंक इंडिया [प्रजात्र नेशनल बैंक से न्यू बैंक आफ इंडिया के कर्मचारियों (ग्राविकारी शार कर्पकार) के द्वारा उनका अवधारण] रकीम, 1993 है।

(2) यह 4 मिनम्बर, 1993 से प्रवृत्त हुई समझी जाएगी।

2. परिभाषा —इस रकीम में जब तक कि सदर्भ से अन्यथा अपशिष्ट न हो —

(क) “कर्मकार” का वही अर्थ है जो उसका ऑद्योगिक विवाद अधिनियम, 1947 (1947 का 14) में है;

(ए) उन शब्दों और पदों के जिनका प्रयोग यहाँ हुआ है और जो परिभाषित नहीं किए गए है किन्तु न्यू बैंक आफ इंडिया (उपक्रमों का समामेलन और अतरण) रकीम, 1993, बैंककारी कंपनी (उपक्रमों का अर्जन और अतरण) अधिनियम, 1980 (1980 का 40), न्यू बैंक आफ इंडिया (अधिकारी) सेवा विनियम, 1982 के साथ पठित प्रजात्र नेशनल बैंक (अधिकारी) सेवा विनियम, 1979 तथा प्रजात्र नेशनल बैंक/न्यू बैंक आफ इंडिया के कर्मकार/कर्मचारियों की सेवा की शर्तों को शामिल करने वाले [प्रिमिन्ट ग्राविटीया/परिनिर्धारणों में पर्याप्ति किए गए हैं असश वही श्रृंखले जा यथाविधि हेतु, रकीमा/विनियमो/प्रपत्तियां/ग्राविटीया/परिनिर्धारणों में उल्लेख हैं।

3. अधिकारी/कर्मचारिवृन्द का पुनः अभिनियोजन.—अंतरिती बैंक, अंतरक बैंक के अधिकारियों/अधिनियमित कर्मचारिवृन्द को अधिकारी/कर्मचारी की उपयुक्तता, प्रशासनिक समीक्षनता और अंतरिती बैंक की जनशक्ति अपेक्षाओं को देखते हुए, पंजाब नेशनल बैंक (अधिकारी) सेवा वित्तियम, 1970 या विद्यमान अधिनियमों/द्विपक्षीय परिनियर्णयों में अन्तर्विष्ट उपबंधों के अनुसार, अंतरिती बैंक के किसी कार्यालय/शाखा में पुनः अभिनियोजित/अन्तरित कर सकेगा। अधिकारियों को भारत में किसी भी स्थान पर स्थानान्तरित किया जा सकेगा और कर्मकार/कर्मचारियों की तैनाती/स्थानान्तरण उसी भाषायी क्षेत्र के भीतर किया जाएगा।

4. अंतरक बैंक के अधिकारियों/कर्मचारियों की ज्येष्ठता.—अंतरिती बैंक के कर्मचारियों (अधिकारी या कर्मकार) के मुकाबले अंतरक बैंक के कर्मचारियों (अधिकारी या कर्मकार) की ज्येष्ठता का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए निम्नलिखित मानक लागू किए जाएंगे:—

कर्मकार कर्मचारी

(क) (i) अधीनस्थ काडर से लिपिक वर्गीय काडर में और लिपिक वर्गीय काडर या विशेष महायक काडर से अधिकारी वर्ग काडर (जे एम जी मान—I) में प्रोन्तियों तथा प्रधान रोकड़िया, भारसाधक रोकड़िया/रोकड़िया की रोकड़ अधिकारियों के रूप में प्रोन्ति के मामले में समय-समय पर कर्मकार संघों या संस्थाओं के साथ अंतरिती बैंक द्वारा करार पाए गए परिनियर्णयों, समझौतों और स्पष्टीकरणों के उपबंध, अंतरक बैंक के कर्मकार कर्मचारियों को उसी रीति से स्वतः लागू हो जाएंगे जिससे वे स्कीम के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए अंतरिती बैंक के कर्मकार कर्मचारियों को लागू होते हैं।

(ii) लिपिकों की विशेष सहायकों/गणकों, प्रधान रोकड़ियों, भारसाधक रोकड़ियों के रूप में तथा लिपिक वर्गीय काडर में विशेष भूतों वाले अन्य पदों में और दफ्तरी और रोकड़िया चपरासी और अधीनस्थ काडर में विशेष भूतों वाले अन्य पदों की तैनाती के मामले में अंतरिती बैंक में यथा प्रवृत्त परिनियर्णय, नियम और पद्धतियां, स्कीम के अन्य उपबंधों के अधीन रहते हुए, अंतरक बैंक के कर्मकार कर्मचारियों को लागू हो जाएंगे।

(iii) अधीनस्थ काडर से लिपिक वर्गीय काडर में तथा लिपिक वर्गीय काडर से अधिकारी वर्ग काडर में प्रोन्ति के लिए और विशेष भूतों वाले पदों में तैनाती के प्रयोजन के लिए सेवा की न्यूनतम अधिकारी अवधि का अवधारण करने के प्रयोजन के लिए अंतरक बैंक में की गई सेवा के वर्षों की संगणना की प्रक्रिया 2:1 के अनुपात में संगणित को जाएगी, अर्थात् अंतरक बैंक में दो वर्ष की सेवा अंतरिती बैंक में एक वर्ष की सेवा

के समतुल्य होगी। इस प्रयोजन के लिए कर्मकार कर्मचारियों की अर्थात् लिपिक वर्गीय या उपर्याम्बाटि-वृन्द की, जिस पद पर वह पदभारी अन्तरण के समय था, संविधिन काडर में कुल सेवा की गणना की जाएगी, किन्तु एक मास के किसी भाग की गणना नहीं बी जाएगी, उत्तराहरणार्थ यदि किसी कर्मकार कर्मचारी ने अंतरिती बैंक के साथ समामेलन के समय अंतरक बैंक में, यथास्थिति, लिपिक वर्गीय/उपर्याम्बाटि-वृन्द काडर में दो वर्ष 9 मास सेवा की है तो अंतरिती बैंक में उसकी गणना यथास्थिति, लिपिक वर्गीय या उपर्याम्बाटि-वृन्द काडर में एक वर्ष 4 मास की सेवा के बराबर की जाएगी।

अधिकारी

(ख) (i) अंतरक बैंक के सभी अधिकारी अंतरिती बैंक में उसी ग्रेड या वेतनमान में रहे जाएंगे जिसे वे अंतरक बैंक में धारण कर रहे थे, यदि अपेक्षित हुआ तो अंतरिती बैंक में विद्यमान पद्धति के आधार पर पदाधिकारान में उपयुक्त परिवर्तन किए जा सकते हैं।

(ii) ज्येष्ठता या उपयुक्तता के या अगले ग्रेड या वेतनमान में प्रोन्ति के प्रयोजन के लिए, अंतरक बैंक में किसी अधिकारी द्वारा की गई सेवा की गणना, समामेलन के पश्चात्, 2:1 के अनुपात में की जाएगी अर्थात् अंतरक बैंक में दो वर्ष की सेवा अंतरिती बैंक में एक वर्ष की सेवा के समतुल्य होगी। इस प्रयोजन के लिए, उस वेतनमान में जिसमें अधिकारी अंतरित किया जाता है, कुल सेवा की गणना की जाएगी किन्तु मास के किसी भाग की गणना नहीं की जाएगी। उत्तराहरणार्थ यदि किसी अधिकारी ने अंतरिती बैंक के साथ समामेलन के समय अंतरक बैंक में वेतनमान-II में दो वर्ष 9 मास की सेवा की है तो अंतरिती बैंक में उसकी गणना वेतनमान-II में एक वर्ष बार मास सेवा के बराबर की जाएगी।

[फा. सं. 1/2/93-बी. ओ.-I]

एन.एन. मुखर्जी, संयुक्त सचिव

MINISTRY OF FINANCE

(Department of Economic Affairs)

(Banking Division)

NOTIFICATION

New Delhi, the 8th December, 1993

S.O. 936(E).—In exercise of the powers conferred by Section 9 of the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 read with sub-paragraph (4) of the paragraph 5 of the Government of India, Ministry of Finance, Department of

Economic Affairs (Banking Division) notification No. 1/2/93-BO.-I(i) dated 4-9-1993 the Central Government, after consultation with the Reserve Bank of India, hereby makes the following Scheme namely :—

Introductory

1. Short title and commencement.—(1) This Scheme may be called the New Bank of India, [Determination of Placement of Employee (Officers and Workmen) of the New Bank of India in Punjab National Bank] Scheme, 1993.

(2) It shall be deemed to have come into force with effect from 4th September, 1993.

2. Definitions.—In this Scheme unless the context otherwise requires.—

(a) "Workman" has the meaning assigned to it in the Industrial Disputes Act, 1947 (14 of 1947) ;

(b) The words and expressions used herein and not defined but defined in the New Bank of India (Amalgamation and Transfer of Undertakings) Scheme 1993, the Banking Companies (Acquisition and Transfer of Undertakings) Act, 1980 (40 of 1980), Punjab National Bank (Officers') Service Regulations 1979, read with New Bank of India (Officers') Service Regulations 1982, and various awards|settlements governing service conditions of workmen employees of Punjab National Bank|New Bank of India shall have the meaning respectively assigned to them in the Schemes|Regulations|Acts|Awards|Settlements, as the case may be.

3. Redeployment of Officers|Staff.—The transferee bank may redeploy/transfer the Officers|Award Staff of transferor bank to any of the offices|branches of the transferee bank keeping in view the suitability of the officer|employee, administrative exigencies and manpower requirements of the transference bank, in accordance with the provisions contained in the Punjab National Bank (Officers') Service Regulations, 1970 or existing Awards|Bipartite Settlements. The officers may be transferred to any place in India and the postings|transfers of workmen employees will be made within the same linguistic area.

4. Seniority of Officers|employees of transferor Bank.—For the purpose of determining the seniority of employees (Officers or Workmen) of the transferor bank vis-a-vis employees (Officers or Workmen) of

transferee bank, the following norms shall be applied :—

Workmen Employees

(a) (i) Provisions of settlements, understandings and clarifications agreed to by the transferee bank with the workmen unions or associations from time to time in the matter of promotions from the subordinate cadre to clerical cadre and from clerical or Special Assistant Cadre to Officers Cadre (JMG Scale-I) and promotion of Head Cashier, Cashier-in-charge|Cashiers as Cash Officers shall become automatically applicable to the workmen employees of transferor bank in the same manner as applicable to workmen employees of transferee bank subject to other provisions of the Scheme.

(ii) The settlements, rules and practices as in force in the transferee bank in the matter of posting of Clerks as Special Assistants|Tellers, Head Cashiers, Cashiers-in-charge, and other posts carrying special allowance in the clerical cadre as well as Daftry and Cash Peons and other posts carrying special allowances in the subordinate cadre shall become applicable to the workmen employees of the transferor bank subject to the other provisions of the Scheme.

(iii) The procedure for computation of years of service rendered in the transferor bank for the purpose of determining the minimum length of service for promotion from subordinate cadre to clerical cadre as also from the clerical cadre to officer cadre and also for the purpose of posting in the posts carrying special allowance, shall be computed in the ratio of 2 : 1, that is, two years of service in transferor bank as equivalent to one year of service in the transferee bank. For this purpose, total service in the respective cadre of the workman employees, that is, clerical or sub-staff in which the official is placed at the time of transfer, shall be reckoned but fractions of a month shall be ignored, for example, if a workman employee has rendered two years and nine months service in the clerical|sub-staff cadre, as the case may be, in the transferor bank at the time of amalgamation with transferee bank, it shall be reckoned as equal to one year and four months service in the clerical or sub-staff cadre, as the case may be, in the transferee bank.

Officers

- (b) (i) All Officers of the transferor bank shall be placed in the same grade or scale of pay in the transferee bank as they were holding in the transferor bank, with suitable changes in the designation, if required, on the lines of the prevailing system in the transferee bank.
- (ii) For the purpose of seniority or merit or for promotion to the next grade or scale, the service rendered by an officer in the transferor bank shall be computed, after amalgamation, in the ratio of 2 : 1, that is, two years of service in the transferor bank

as equivalent to one years service in the transferee bank. For this purpose, total service in the scale in which an officer is transferred shall be reckoned but fractions of a month shall be ignored. For example, if an officer has rendered two years nine months service in Scale-II in the transferor bank at the time of amalgamation with the transferee bank, it shall be reckoned as equal to one year and four months service in Scale-II in the transferee bank.

[F. No. 1/2/93-B.O.-I]
N. N. MOOKERJEE, Jt. Secy.